उत्तर प्रदेश में विभिन्न शिक्षा परिशदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिकशास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव का अध्ययन

डॉ0 रि”म श्रीवास्तव

सारां”ा

समृद्ध एवं स”ाक्त राष्ट्र का निर्माण सदैव उसमें निवास करने वाले नागरिकों पर निर्भर करता है ऐसे में राष्ट्र अपने नागरिकों से अपेक्षा करता है कि उसके नागरिक उच्च नागरिक भावों से परिपूर्ण हो। नागरिक भाव से आ”ाय नागरिकों में न केवल दे”ा प्रेम की भावना का होना बल्कि राष्ट्रीय सम्पत्ति की देखभाल करना, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं संरक्षण करना, अपने दायित्वों का निर्वाह करना तथा बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों का सम्मान करने से है। नागरिकों में उच्च नागरिक भावों को विकसित करने में विद्यालय ि”ाक्षा का प्रत्यक्ष योगदान होता है विद्यालय में पढ़ाये जाने वाले विभिन्न विषयों की तुलना में 'नागरिक शास्त्र' नागरिक भाव को विकसित करने का आधार विषय है। नागरिक शास्त्र के माध्यम से हम विद्यार्थियों को न केवल विषय का ज्ञान देते हैं बल्कि सामाजिक व नागरिक जीवन से परिचय कराते हुये ऐसे नागरिकों का निर्माण करते हैं जो भारतीय संविधान में वर्णित अपेक्षाओं को पूरा करते हुये एक आद”ा राष्ट्र व समाज के निर्माण में सहायक बनते हैं। अतः प्रस्तुत शोध पत्र में उत्तर प्रदे”ा में विभिन्न ि”ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भावों की पहचान कर उनका तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना –

स्वतंत्रता की प्राप्ति के पश्चात् भारत सरकार द्वारा अपनाये गये संविधान की प्रमुख वि”ोषता उसके मूल अधिकार एवं मूल कर्त्तव्य हैं । मूल अधिकार से तात्पर्य भारतीय संविधान के द्वारा प्रदत्त भारत में निवास करने वाले सभी व्यक्तियों को दैहिक, मानसिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार से है जबकि मूल कर्त्तव्यों से तात्पर्य स्वतः ही अपने दायित्वों एवं जिम्मेदारी की भावना के निर्वाह से है। इसी क्रम में ि”ाक्षा को महात्मा गांधी ने एक ऐसे माध्यम के रुप में देखा है जो ''सामाजिक व्यवस्था में व्याप्त अज्ञान, हिंसा व असमानता के प्रति राष्ट्र की अन्तरात्मा को जगाती है व नागरिकों को स्वतंत्र एवं सही निर्णय लेने के योग्य बनाती है'' (उद्धरित, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा–2005, पृष्ठ संख्या 03)। भारतीय ि”ाक्षण व्यवस्था में उच्च प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों में नागरिक शास्त्र का अनिवार्य अध्ययन इन्हीं अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए कराया जाता है। इस सन्दर्भ में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा–2005 में जो कहा गया वह विचारणीय है – शिक्षा के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है, हमारे सहभागिता आधारित लोकतन्त्र व संविधान में प्रतिस्थापित मूल्यों (समानता, न्याय, स्वतंत्रता, परोपकार, धर्मनिरपेक्षता, मानवीय गरिमा व अधिकार दूसरों के प्रति आदर जैसे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता) को सुदृढ़ करना व विद्यार्थियों को इनसे परिचित कराना। इस चुनौती का सामना करने का अर्थ है कि हम गुणवत्तापूर्वक और सामाजिक न्याय को

पाठ्यचर्या का केन्द्रीय बिन्दु बनाए साथ ही नागरिकता के प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से औपचारिक शिक्षा में सम्मिलित करें (पृष्ठ संख्या 58)। इसी केन्द्रीय भाव को ध्यान में रखकर विद्यालय स्तर पर नागरिक "ाास्त्र के पाठ्यक्रम को निर्धारित किया जाता है। वर्तमान उत्तर प्रदे"ा में तीन ि"ाक्षा परिषदों से सम्बन्धित विद्यालय विद्यार्थियों को स्कूली ि"ाक्षा दे रहे हैं। 1. उत्तर प्रदे"ा माध्यमिक ि"ाक्षा परिषद् (यू0पी0 बोर्ड) 2. केन्द्रीय माध्यमिक ि"ाक्षा परिषद (सी0बी0एस0ई0बोर्ड) तथा 3. भारतीय प्रमाणित माध्यमिक ि"ाक्षा परिषद (आई0सी0एस0ई0बोर्ड)। अतः स्पष्ट है कि उत्तर प्रदे"ा में उच्च प्राथमिक स्तर पर नागरिक शास्त्र के पाठ्यक्रम का निर्धारण भी तीनों परिषद् स्वयं करते हैं। अतः यहाँ यह प्र"न उठता है कि 'क्या तीनों ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक "ाास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में नागरिक भाव से सम्बन्धित विषयवस्तु को समान रुप से स्थान दिया गया है ? प्रस्तुत शोध प्रपत्र में इसी प्र"न का उत्तर प्राप्त किया गया है।

अध्ययन के उद्दे"य – विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों से सम्बद्ध विद्यालयों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव से सम्बन्धित विषयवस्तु का पूर्व निर्धारित आयामों (1)प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं संरक्षण, (2)दे"ा प्रेम की भावना 3)मताधिकार की जानकारी, (4)महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान,(5)यातायात के नियमों की जानकारी के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।

प्राविधिक भाब्दों के अर्थ एवं परिभाशा

विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा संचालित विद्यालय– विभिन्न ि"ाक्षा परिषद से तात्पर्य उत्तर प्रदे"ा में विद्यालय ि"ाक्षा प्रदान करने वाले निम्नलिखित ि"ाक्षा परिषदों से हैं –

1. उत्तर प्रदे"ा माध्यमिक ि"ाक्षा परिषद (यू0पी0 बोर्ड)
2. केन्द्रीय माध्यमिक ि"ाक्षा परिषद (सी0बी0एस0ई0 बोर्ड)
3. भारतीय प्रमाणित माध्यमिक ि"ाक्षा परिषद (आई0सी0एस0ई0 बोर्ड)

नागरिक भाव – नागरिक भाव से तात्पर्य ऐसे आचरण या नियम के पालन से है जिनको सामाजिक मान्यता प्राप्त है। इस प्रकार के भावों से युक्त व्यक्ति स्वतः ही सामाजिक नियमों का पालन करता है। प्रस्तुत शोध प्रपत्र में नागरिक भाव के अन्तर्गत (1) प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं संरक्षण, (2)दे"ा प्रेम की भावना, (3)मताधिकार की जानकारी, (4)महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान, (5)यातायात के नियमों की जानकारी से सम्बन्धित विषयों को शामिल किया गया है ।

अध्ययन की भून्य परिकल्पनाएं – अध्ययन के उद्दे"यों के आधार पर निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है।

मुख्य भून्य परिकल्पना ($H_{0.\ 1.0}$) – विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव से सम्बन्धित विषय वस्तु एक समान मात्रा में उपस्थित है।

सह भून्य परिकल्पनाएं –

$H_{0.\ 1.1}$ विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा एवं संरक्षण' से सम्बन्धित विषयवस्तु एक समान मात्रा में उपस्थित है।

$H_{0.1.2}$ विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'दे"ा प्रेम की भावना' से सम्बन्धित विषयवस्तु एक समान मात्रा में उपस्थित है।

$H_{0.1.3}$ विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'मताधिकार की जानकारी' से सम्बन्धित विषयवस्तु एक समान मात्रा में उपस्थित है।

$H_{0.1.4}$ विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान' से सम्बन्धित विषयवस्तु एक समान मात्रा में उपस्थित है।

$H_{0.1.5}$ विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'यातायात के नियमों की जानकारी' से सम्बन्धित विषयवस्तु एक समान मात्रा में उपस्थित है।

"ोध अध्ययन विधि –

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में पाठ्य पुस्तकों अर्थात सम्प्रेषण का वि"लेषण करने के लिये वस्तुनिष्ठ व परिणामात्मक 'विषयवस्तु वि"लेषण विधि' का प्रयोग किया गया । इस विधि में निर्धारित की गई विषयवस्तु की आवृत्ति, वाक्य–अर्थ एवं विषयवस्तु के साथ संबंध का पता लगाया जाता है। विषयवस्तु की प्रकृति के आधार पर तीन प्रमुख इकाईयों अनुच्छेद, चित्र तथा चित्रपट्ट–कथा को इस शोध प्रपत्र में विषयवस्तु वि"लेषण की ईकाई के रुप में परिभाषित कर किया गया। इस प्रकार तीनों ि"ाक्षा परिषदों की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव से सम्बन्धित विषय वस्तु की पहचान की गई।

जनसंख्या – प्रस्तुत शोध प्रपत्र में विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों को अध्ययन की जनसंख्या के रुप में परिभाषित किया गया।

न्याद"र्ा – प्रस्तुत शोध प्रपत्र में विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में से केवल नागरिक शास्त्र की विषयवस्तु को न्याद"र्ा के रुप में परिभाषित किया गया ।

प्रयुक्त शोध उपकरण – प्रस्तुत शोध प्रपत्र में स्वनिर्मित मानकीकृत नागरिक भाव पहचान तालिका का प्रयोग किया गया। नागरिक भाव पहचान तालिका की वि"वसनीयता ज्ञात करने के लिए फ्लेस्स कप्पा इण्टर कोडर रेटर्स रिलाइबिलटी मैथड का प्रयोग किया गया। इस प्रकार स्व निर्मित मानकीकृत नागरिक भाव पहचान तालिका के आधार पर तीनों ि"ाक्षा परिषदों की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव की पहचान व तुलना की गई।

वि"लेशण एवं व्याख्या – प्रस्तुत शोध प्रपत्र में प्राप्त आंकड़ों की प्रकृति के अनुरूप χ^2 परीक्षण का प्रयोग किया गया जिसके आधार पर आंकडों का वि"लेषण एवं व्याख्या परिकल्पनाओं के अनुरुप की गई।

मुख्य भून्य परिकल्पना ($H_{0.1.0}$)– विभिन्न ि"ाक्षा परिशदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक भास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव से सम्बन्धित विशय वस्तु एक समान मात्रा में उपस्थित है।

उक्त परिकल्पना की जाँच के लिए नागरिक भाव पहचान तालिका के आधार पर पाठ्य पुस्तकों की विषयवस्तु का 'विषयवस्तु वि"लेषण' कर जो नागरिक भावों से सम्बन्धित विषयवस्तु की उपस्थिति की आवृत्ति प्राप्त हुई उसके लिए χ^2 परीक्षण का उपयोग कर समान वितरण की परिकल्पना का परीक्षण किया गया। χ^2 परीक्षण के उपरान्त जो परिणाम आए उन्हें तालिका संख्या 1.0 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1.0 : पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भावों की आवृत्ति का χ^2 परीक्षण परिणाम

चर	यू0पी0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव	सी0बी0एस0ई0बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव	आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव	χ^2 परीक्षण मान
नागरिक भाव से सम्बन्धित समस्त आयामों के अन्तर्गत पहचाने गये भावों की आवृत्ति	62	106	84	11.52*

* 0.05 स्तर पर सार्थक

उक्त तालिका में प्रस्तुत परिणामों से स्पष्ट है कि χ^2 परीक्षण का मूल्य 11.52 सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना को निरस्त करते हुए तथा शोध परिकल्पना को स्वीकार करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यवस्तु में उपस्थित नागरिक भावों से सम्बन्धित आयामों की विषयवस्तु का वितरण एक समान नहीं है । परिणाम के आधार पर यह कहा जा सकता है कि विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यवस्तु में उपस्थित नागरिक भावों से सम्बन्धित आयामों की विषयवस्तुओं को सी0बी0एस0ई0 बोर्ड द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में अधिकतम स्थान दिया गया है। जबकि तुलनात्मक रुप से यू0पी0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में नागरिक भावों को कम महत्व दिया गया है। साथ ही साथ आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में नागरिक भाव से सम्बन्धित विषयवस्तु की स्थिति यू0पी0 बोर्ड के समान है।

परिकल्पना ($H_{0.1.1}$) – विभिन्न ि"ाक्षा परिशदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक भाास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण' से सम्बन्धित विशयवस्तु एक समान मात्रा में उपस्थित है।

उक्त परिकल्पना की जाँच के लिए χ^2 परीक्षण का प्रयोग किया गया। χ^2 परीक्षण के उपरान्त जो

परिणाम आये उन्हें निम्न तालिका में प्रस्तुत किया गया है ।

तालिका 1.1 : पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण' की आवृत्ति का χ^2 परीक्षण परिणाम

सम्बन्धित चर	यू0पी0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	सी0बी0एस0ई0बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	χ^2 परीक्षण मान
पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण	7	39	32	9.194*

*0.05 स्तर पर सार्थक

उक्त तालिका में प्रस्तुत परिणामों से स्पष्ट है कि χ^2 परीक्षण का मूल्य 9.194 सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है। अतः शोध परिकल्पना को स्वीकार करते हुये यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विभिन्न ि"क्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण' से सम्बन्धित विषयवस्तु का वितरण एक समान नहीं है । परिणाम के आधार पर यह कहा जा सकता है कि 'पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण' को सी0बी0एस0ई0 बोर्ड अन्य दोनों ि"क्षा परिषदों की तुलना में सार्थक रुप से अधिक महत्व देता है। 'पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण' के भाव के विकास के दृष्टिकोण से यू0पी0 बोर्ड की पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु की स्थिति विचारणीय है जबकि आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु सी0बी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तक की विषयवस्तु के समान है।

परिकल्पना ($H_{0.\ 1.2}$) – विभिन्न ि"क्षा परिशदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक भाास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'दे"ा प्रेम की भावना' की विशयवस्तु का वितरण एक समान है।

उक्त परिकल्पना की जाँच के लिए χ^2 परीक्षण का प्रयोग किया गया। χ^2 परीक्षण के उपरान्त जो परिणाम आए उन्हें निम्न तालिका में प्रस्तुत किया गया है ।

तालिका 1.2 : पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'दे"ा प्रेम की भावना' की आवृत्ति का χ^2 परीक्षण

सम्बन्धित चर	यू0पी0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	सी0बी0एस0ई0बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	χ^2 परीक्षण मान
दे"ा प्रेम की भावना	08	09	19	3.66**

**0.05 स्तर पर सार्थक नहीं

उक्त तालिका में प्रस्तुत परिणामों से स्पष्ट है कि χ^2 परीक्षण का मूल्य 3.663 सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विभिन्न ि"क्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यवस्तु में 'दे"ा प्रेम की भावना' से सम्बन्धित विषयवस्तु का वितरण एक समान है। परन्तु आवृत्तियों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि आई0सी0एस0ई0 बोर्ड द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में नागरिक भावों से सम्बन्धित आयाम 'दे"ा प्रेम की भावना' को अधिक महत्व दिया गया है। जबकि तुलनात्मक रुप से सी0बी0एस0ई0 बोर्ड व यू0पी0 बोर्ड द्वारा निर्धारित नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'दे"ा प्रेम की भावना' को एक जैसा महत्व दिया गया है।

परिकल्पना ($H_{0.1.3}$) – विभिन्न ि"क्षा परिशदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ के नागरिक भास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'मताधिकार की जानकारी' की विशयवस्तु का वितरण एक समान है ।

उक्त परिकल्पना की जाँच के लिए χ^2 परीक्षण का प्रयोग किया गया। χ^2 परीक्षण के उपरान्त जो परिणाम आए उन्हें तालिका में प्रस्तुत किया गया है ।

तालिका 1.3 : पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'मताधिकार की जानकारी' की आवृत्ति का χ^2 परीक्षण परिणाम

सम्बन्धित चर	यू0पी0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	सी0बी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	χ^2 परीक्षण मान
मताधिकार की जानकारी	11	06	04	4.56**

** 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं

उक्त तालिका में प्रस्तुत परिणामों से स्पष्ट है कि χ^2 परीक्षण का मूल्य 4.56 सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हुए तथा शोध परिकल्पना को निरस्त कर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विभिन्न ि"क्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ के नागरिक शास्त्र की पाठ्यवस्तु में 'मताधिकार की जानकारी' से सम्बन्धित विषयवस्तु का वितरण एक समान है। परिणाम के आधार पर यह कहा जा सकता है कि विभिन्न ि"क्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यवस्तु में उपस्थित नागरिक भावों से सम्बन्धित आयाम 'मताधिकार की जानकारी' की विषयवस्तुओं को यू0पी0बोर्ड द्वारा निर्धारित नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में सार्थक स्थान दिया गया है जबकि आई0सी0एस0ई0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में कम महत्व दिया गया है।

परिकल्पना ($H_{0.\,1.4}$) – विभिन्न f”ाक्षा परिशदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक भाास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान' की विशयवस्तु का वितरण एक समान है।

उक्त परिकल्पना की जाँच के लिए $\aleph^2$ परीक्षण का प्रयोग किया गया। $\aleph^2$ परीक्षण के उपरान्त जो परिणाम आए उन्हें निम्न तालिका में प्रस्तुत किया गया है ।

तालिका 1.4 : पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान' की आवृत्ति का $\aleph^2$ परीक्षण

सम्बन्धित चर	पी0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	सी0बी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित भाव	$\aleph^2$ परीक्षण मान
महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान	18	34	10	17.23*

*0.05 स्तर पर सार्थक

उक्त तालिका में प्रस्तुत परिणामों से स्पष्ट है कि $\aleph^2$ परीक्षण का मूल्य 17.23 सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना को निरस्त करते हुए तथा शोध परिकल्पना को स्वीकार करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विभिन्न f”ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'महिलाओं, विकलांगो तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान' से सम्बन्धित विषयवस्तु का वितरण एक समान नहीं है। तीनों f”ाक्षा परिषदों की कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यवस्तु के तुलनात्मक अध्ययन में सी0बी0एस0ई0 बोर्ड द्वारा निर्धारित नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान' से सम्बन्धित विषयवस्तु को अधिकतम महत्व तथा क्रम”ाः यू0पी0 बोर्ड व आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों में कम महत्व दिया गया है।

परिकल्पना ($H_{0.\,1.5}$) – विभिन्न f”ाक्षा परिशदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ के नागरिक भाास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'यातायात के नियमों की जानकारी' की विशयवस्तु का वितरण एक समान है।

उक्त परिकल्पना की जाँच के लिए $\aleph^2$ परीक्षण का प्रयोग किया गया। $\aleph^2$ परीक्षण के उपरान्त जो परिणाम आए उन्हें निम्न तालिका में प्रस्तुत किया गया है ।

तालिका 1.5 : पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'यातायात के नियमों की जानकारी' की आवृत्ति का χ^2 परीक्षण परिणाम

सम्बन्धित चर	यू0पी0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव	सी0बी0एस0ई0बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव	आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव	χ^2परीक्षण **मान**
यातायात के नियमों की जानकारी	02	04	01	1.994**

**0.05 स्तर पर सार्थक नहीं

उक्त तालिका में प्रस्तुत परिणामों से स्पष्ट है कि χ^2 परीक्षण का मूल्य 1.994 सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना को स्वीकार करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि विभिन्न ि"क्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित 'यातायात के नियमों की जानकारी' से सम्बन्धित विषयवस्तु का वितरण एक समान है। परिणाम के आधार पर यह कहा जा सकता है कि तीनों ि"क्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में 'यातायात के नियमों की जानकारी' की विषयवस्तुओं को यू0पी0 बोर्ड व सी0बी0एस0ई0 बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों में समान महत्व दिया गया है तथा आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों में 'यातायात के नियमों की जानकारी' को नगण्य स्थान दिया गया है।

निष्कर्ष – विभिन्न ि"क्षा परिषदों द्वारा निर्धारित नागरिक "ाास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में उपस्थित नागरिक भाव से सम्बन्धित विषयवस्तु में पर्याप्त विभिन्नता है अतः उपरोक्त निष्कर्षों को समझने के लिए गहराई से उस विषयवस्तु का अध्ययन किया गया जो कि तीनों ि"क्षा परिषदों द्वारा निर्धारित की गई है जिसके फलस्वरुप निम्नलिखित परिणामों की प्राप्ति हुई –

- ❖ विषयवस्तु वि"लेषण के दौरान यू0पी0बोर्ड की नागरिक "ाास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान, मताधिकार की जानकारी, आदि मुद्दों की बहुतायत पाई गई जबकि पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण, दे"ा प्रेम की भावना, यातायात के नियमों की जानकारी आदि विषयों का अभाव मिला। कुछ इसी प्रकार के परिणाम की प्राप्ति वार्ष्णेय (1979),सिंह (2013) द्वारा किये गये शोध अध्ययन में भी हुई थी।
- ❖ विषयवस्तु वि"लेषण के दौरान सी0बी0एस0ई0बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों में पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण, महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान, यातायात के नियमों की

जानकारी जैसे राष्ट्रीय मुददों को अधिक बल दिया गया है। जबकि दे"ा प्रेम की भावना से सम्बन्धित विषयवस्तु को कम महत्व दिया गया है। यादव (2007), जैन (2005), गुप्ता (2011) द्वारा किये गये शोध अध्ययनों में भी इसी प्रकार के परिणाम की प्राप्ति हुई। यादव (2007) ने अपने अध्ययन के परिणाम स्वरुप बताया कि नागरिक "ाास्त्र की पाठ्यपुस्तकें तार्किकता के साथ विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व नागरिक मूल्यों को विकसित करने में असमर्थ है इसी प्रकार जैन (2005) तथा गुप्ता (2011) ने भी अपने शोध अध्ययन के परिणाम में बताया कि सी0बी0एस0ई0बोर्ड की नागरिक "ाास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में नागरिक भाव से सम्बन्धित विषयवस्तु का अभाव है।

- विषयवस्तु वि"लेषण के दौरान आई0सी0एस0ई0 बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों में वैि"वक मुद्दें जैसे पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण को अधिक बल दिया गया है जबकि अन्य विषयों जैसे कि महिलाओं, विकलांगों, तथा बालक–बालिकाओं का सम्मान, यातायात के नियमों की जानकारी जैसे विषयों को कम महत्व दिया गया है।

सुझाव– उपरोक्त परिणामों एवं उन पर आधारित निष्कर्षों की विवेचना के आधार पर निम्नलिखित सुझावों की संस्तुति की जाती है –

1. प्राप्त परिणामों के आधार पर यह सुझाव दिया जाता है कि विभिन्न ि"ाक्षा परिषदों द्वारा निर्धारित कक्षा आठ की नागरिक शास्त्र के पाठ्यपुस्तकों की विषयवस्तु को एक समान बनाया जाये जिससे कि सभी विद्यार्थियों में एक समान नागरिक भाव विकसित हो सके।
2. प्राप्त परिणामों के आधार पर पाठ्यक्रम निर्माताओं को यह सुझाव दिया जा सकता है कि पाठ्यपुस्तकों में अधिक से अधिक नागरिक भावों से युक्त विषयवस्तु को रखे जिससे कि भारतीय समाज को अच्छे नागरिकों से परिपूर्ण किया जा सके।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

आई.सी.एस.ई., (2009).***डिस्कवर हिस्ट्री एवं सिविक्स–8,*** हैदराबादःओरिन्टल ब्लैकशवान प्रा. लि.।

एन.सी.ई.आर.टी.,(2000).***ने"ानल केरिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजूके"ान.*** नई दिल्लीः एन.सी.ई. आर.टी.।

एन.सी.ई.आर.टी.,(2008).***ने"ानल केरिकुलम फ्रेमवर्क – 2005.*** नई दिल्लीः एन.सी.ई.आर.टी.।

एन.सी.ई.आर.टी.,(2000).***सामाजिक एवं राजनैतिक जीवन – III.*** नई दिल्लीः एन.सी.ई.आर.टी.।

उत्तर प्रदे"ा बेसिक ि"ाक्षा परिषद., (2011). ***हमारा इतिहास और नागरिक भाास्त्र–8*** मथुराः महे"ा पुस्तकालय पंचवटी।

गैरेट,एच.ई.,एवं वुडवर्थ,आर.एस.(2008). ***मनोविज्ञान एवं ि"ाक्षा में सांख्यिकी.*** नई दिल्लीः सुरजीत प्रका"ान।

गुप्ता,एल.(2010).सिविक्स एण्ड पोलिटिक्स : चैलेन्जेस ऑफ टेस्ट किएसन. रिट्राइवड ऑन https://www.ioe.ac.uk/about/documents/About_Overview/Gupta_L.pdf दिनांक 13/01/ 2014।

जैन,एम. (2005).सो"ाल स्टडीज एण्ड़ सिविक्स, पास्ट एण्ड प्रेजेन्ट इन द करीकुलम. ***इकोनोमिकल एण्ड़ पोलिटिकल वीकली.*** वॉल्यूम 40(1), पृष्ठ संख्या 1939–1940।

त्यागी,जे.,एवं पाठक,पी.ड़ी.(2008).***f"ाक्षा के सामान्य सिद्धान्त.*** अग्रवाल पब्लिके"ानः आगरा।

बेस्ट,जे.डब्लू.,एवं कॉन,जे.वी.(2000).***रिसर्च इन एजूके"ान.*** नई दिल्ली : प्रेन्ट्रीज हॉल ऑफ इण्डिया प्रा. लि.।

भारत सरकार (1950). ***भारतीय संविधान का विकास.*** नई दिल्लीः एन.सी.ई.आर.टी.।

यादव, वाई.(2007). लोकतन्त्र एवं f"ाक्षा. ***भौक्षिक सन्दर्भ***, मूल अंक 4, पृष्ठ संख्या 61–64।

वार्ष्णेय,उ.(1998).***द सिविक्स केरीकुलम एण्ड एजूके"ान फॉर सिटिजनसिप.*** शोध प्रबन्ध (f"ाक्षा) वाराणसीः बी0एच0यू0।

होल्सटी,ओ.आर.(1969). ***कन्टेन्ट एनॉलसिस फॉर दि सो"ाल सान्इस एण्ड हुमन्सिटिक.*** कैलिफोनियाः वैस्ले पब्लि"िंग कम्पनी।

सिंह,एच.ओ. (2013). ***प्लेस ऑफ ह्यूमन राइट एण्ड फन्डामेंटल ड्यूटिस इन लैगग्विज़ एण्ड सो"ाल सांइस टेस्ट बुक्स् : ए कन्टेन्ट एनॉलसिस.*** शोध प्रबन्ध (f"ाक्षा) वाराणसीः बी0एच0यू0।